रंग आना — भली भाँति रंग लग जाना। रंग खुलना। आनन्द आना।

रंग उखड़ना — धाक न रहना। स्थिति प्रतिकूल होना। दूसरों पर महत्व आदि का प्रभाव न रह जाना। बने हुए आनन्द का अचानक घटना या नष्ट हो जाना।

रंग उड़ना — धूप या जल आदि के संसर्ग से रंग का बिगड़ जाना या फीका पड़ जाना। भय या लज्जा से चेहरे की रौनक का जाता रहना। चेहरा पीला पड़ना। कान्तिहीन होना।

रंग उतरना — धूप या जल आदि के संसर्ग से रंग का बिगड़ जाना या फीका पड़ जाना। भय या लज्जा से चेहरे की रौनक का जाता रहना। चेहरा पीला पड़ना। शोभा, रौनक घटना। कान्तिहीन होना।

रंग काढ़ना — चाल चलना। नया ढंग पकड़ना। उ०- सूर श्याम जितने रंग काढ़त युवती जन मन के गोऊ हैं। सूर ।

रंग खेलना — होली के दिन पानी में रंग घोलकर एक दूसरे पर डालना।

रंग गाँठना — रोब जमाना। अपना आतंक जमाना।

रंग चढ़ना — रंग अच्छी तरह लग जाना। रंग खुलना। प्रभाव पड़ना। आनन्द आना। उ०- सूरदास की कारी कामरी चढ़ै न दूजो रंग। सूर ।

रंग ढूना — भरी जवानी में होना। यौवन उमड़ना।

रंग जमना — दृढ़ प्रभाव पड़ना। पाक जमना। अनुकूल स्थिति उत्पन्न होना। आनन्द का पूर्णता पर आना। खूब मजा होना चौपड़ में रंग की गोटी का किसी अच्छे और उपयुक्त घर में जा बैठना, जिसके कारण खिलाड़ी की जीत अधिक निश्चित हो जाती है।

रंग जमाना — प्रभाव डालना। धाक बाँधना। अधिकार दृढ़ करना।

रंग टपकना — भरी जवानी में होना। यौवन उमड़ना।

रंग डालना	पानी मै घुला रंग एक दूसरे पर डालना।
रंग देना	किसी को अपने प्रेमपाश मै फंसाने के लिए उसके प्रति प्रेम प्रकट करना।
रंग निकलना	रंग का शोख या चटकिला होना।
रंग निखरना	रंग का शोख या चटकीला होना। चेहरे का रंग साफ न होना। चेहरा साफ और चमकदार होना। चेहरे पर रौनक आना।
रंग पकड़ना	रौनक या बहार पर आना।
रंग पर आना	रौनक या बहार पर आना।
रंग फक पड़ना	हक्का बक्का हो जाना। चेहरे का रंग फीका पड़ जाना। घबरा जाना।
रंग फक हो जाना	हक्का बक्का हो जाना। चेहरे का रंग फीका पड़ जाना। घबरा जाना।
रंग फक होना	धूप या जल आदि के संसर्ग से रंग बिगड़ जाना।
रंग फीका पड़ना	रौनक कम हो जाना। शोभा घट जाना।
रंग फीका रहना	पूरा पूरा प्रभाव न पड़ना।
रंग फीका होना	शोभा, रौनक घटना।
रंग फेंकना	पानी मै घुला रंग एक दूसरे पर डालना।
रंग बंधना	रोब जमना। धाक बंधना।
रंग बांधना	महत्व, प्रभाव स्थापित करना। रोब गांठना। धाक जमाना। झूठा आडम्बर रचना। ढोंग रचना।
रंग बदलना	लाल पीला होना। क्रुद्ध होना। रूप या वेष बदलना। स्थिति मै परिवर्तन होना। अच्छी दशा मै होना।
रंग बरसना	अत्यन्त शोभा होना। खूब रौनक होना।
रंग बिगड़ना	रोब जाता रहना। प्रभाव नष्ट या कम होना।

रंग बिगाड़ना	प्रभाव नष्ट करना। महत्व घटाना। शैली किरकिरी करना।
रंग मचना	रणक्षेत्र में उत्साहपूर्वक भीषण युद्ध करना।
रंग मचाना	रण में खूब युद्ध करना। उ०- चढ़ि दैहि समर उपर परन उपरद्वार मचाय रंग। गोपाल। धूम मचाना। उ०- असवारी में मचावै। मन के संग तुरंग नचावै। लाल।
रंग मारना	बाजी जीतना। विजय पाना। उ०-(क) यह कैठ जो कि पीपले यारी है हमारी। इन होठों न बोसों के बड़े रंग है मारे। नजीर। (ख) इस्कबाजी के लिए हमने बिछाई चौसर। पासा गिरते ही गोया रंग हमारा मारा। । नजीर।
रंग में बींधना	किसी पर पूरी तरह से अनुरक्त होना।
रंग में भंग करना	पूर्ण आनन्द के समय उसमें विघ्न उपस्थित करना। बना बनाया मजा बिगाड़ना।
रंग में भंग पड़ना	आमोद प्रमोद के बीच कोई दु:ख की बात का आ पड़ना। हंसी और आनन्द में विघ्न पड़ना।
रंग में रंगना	तन्मय होना। अनुकूल होना। किसी का अनुकरण करना। किसी को अपने ही विचारों का बना लेना। अपना सा कर लेना।
रंग रचाना	उत्सव करना। जलसा करना।
रंग रलना	आमोद प्रमोद करना। क्रीड़ा या भोग विलास करना। उ०- भाव ही कह्यो मन भाव दृढ़ राखिबो दै सुख तुमहिं संग रंग रलिहैं। सूर।
रंग लाना	प्रभाव या गुण दिखलाना। दशा उपस्थित करना। हालत करना।
रंग सफेद पड़ जाना	विवर्णता होना। भय आदि से चेहरे का रंग फीका पड़ जाना।
रंग है	शाबाश। वाह वा। क्या बात है।

रंगत आना — मजा आना। आनन्द होना।

रंगरलियां मचाना — आनन्द मंगल और आमोद प्रमोद करना। उ०- तमाम शहर में हर सू मची है रंगरलियां। गुलाल अबीर से गुलजार है सभी गलियां। नजीर।

रंगे हाथ — अपराध करते हुए या उसके प्रमाण के साथ।

रंगे हाथों — अपराध करते हुए या उसके प्रमाण के साथ।

रंजक उड़ाना — बन्दूक, तोप की प्याली का बारूद रककर जलाना।

रंजक चाट जाना — तोप, बन्दूक की प्याली की बारूद का यों ही जलकर रह जाना, गोली न छूटना।

रंजक देना — गांजे आदि का दम लगाना।

रंजक पिलाना — तोप, बन्दूक की प्याली में रंजक रखना।

रकाब टूटना — रकाब के चमड़े, तस्मे का सवारी में टूट जाना।

रकाब थामना — घोड़े पर किसी के चढ़ते समय साईस का रकाब पकड़ना।

रकाब में — सहयात्रा। हमराह।

रकाब में पांव रखना — घोड़े पर सवार होना।

रकाब में पांव रहना — हर वक्त चलने को तैयार रहना।

रख कर कहना — किसी को सुनाने या चिढ़ाने के उद्देश्य से किसी दूसरे पर आरोपित करके कोई बात कहना। लक्ष्य बनाकर कहना। किसी बात का कुछ अंश बचाकर या छिपाकर शेष अंश कहना।

रख लेना — दबा लेना। वापस न करना। रक्षा करना। बचाना।

रग उतरना — क्रोध उतरना। हठ दूर होना। आंत उतरना।

रग का खुल जाना — पस्द खुलवाने पर अत्यधिक खून निकलना।

रग खड़ी होना — नस फूल जाना।

रग खुलना — रग से अत्यधिक खून निकलना।

रग चढ़ना	क्रोध आना। गुस्सा आना। हठ के वश होना। किसी रग का अपनी जगह से हटना।
रग जान से नजदीक होना	बहुत निकट होना।
रग दबना	दबाव मानना। किसी के प्रभाव या अधिकार मै होना। डरना।
रग पट्ठे से परिचित होना	स्वभाव और व्यवहार आदि से परिचित होना। अच्छी तरह जानना। खूब पहचानना।
रग पहिचानना	भेद, रहस्य जानना।
रग पाना	वास्तविक बात मालूम करना।
रग फड़कना	अनिष्ट की शंका होना। माथा ठनकना। रग का हरकत करना।
रग फूलना	खून के दबाव से रग का मोटा हो जाना।
रग मिलना	पस्द खोलने के लिए टटोलने पर रग का पता लगना।
रग मै दौड़ जाना	असर करना।
रग रग फड़कना	अत्यधिक उत्साह या आवेश के लक्षण प्रकट होना।
रग रग मै	सारे शरीर मै।
रग रग से वाकिफ होना	~~किसी खूबी~~ पूरी तरह जानना।
रग रेशे मै	सारे शरीर मै। अंग अंग मै।
रग रेशे मै पड़ा होना	किसी आदमी मै खोटी आदत का अत्यधिक मात्रा मै होना। गोश्त-पोस्त मै शामिल होना। अमल मै होना।
रग रेशे से परिचित होना	स्वभाव और व्यवहार आदि से परिचित होना। अच्छी तरह जानना। खूब पहचानना।
रगड़ खाना	धक्के ~~धक्के~~ खाना।
रगड़ देना	पीस डालना। तंग करना।
रगड़ पड़ना	अधिक परिश्रम पड़ना।

रगड़ा देना	रगड़ना। घिसना।
रग़बत आना	प्रवृत्त होना।
रग़बत की आंखों से देखना	पसन्द करना। ख्वाहिश करना।
रग़बत दिलाना	उकसाना। चाह पैदा करना।
रग़बत रखना	इच्छा होना।
रगें निकल आना	बहुत दुबला होना।
रगें मरना	नसों की ताकत जाती रहना। नामर्द हो जाना। कमजोर हो जाना।
रगों में खून दौड़ना	नसों में खून की तेज चाल।
रचि रचि	बहुत ही होशियारी और कारीगरी के साथ(कोई काम करना)। बहुत कौशलपूर्वक।
रटन लगाना	किसी बात को बार बार कहना।
रत्ती भर	बहुत थोड़ा सा। जरा सा।
रदीफ़ चमकना	रदीफ़ का चमत्कार, आनन्द प्रस्तुत करना।
रदीफ़ बांधना	रदीफ़ का व्यवहार करना।
रद्दा जमाना	आरोप करना। इलजाम लगाना।
रद्दा रखना	एक तह पर दूसरी तह रखना। इलजाम रखना। खाने पर खाना।
रपट्टा मारना	फिसलना। दौड़ना। लपकना। झपटना।
रपट्टा लगाना	दौड़ना। झपटना। लपकना।
रफ़ू करना	असम्बद्ध, विपरीत बातों में सामंजस्य जोड़ना।
रफ़ू खुलना	रफ़ू के तागे टूट जाना।
रफ़ूचक्कर होना	भाग जाना। चलता बनना। गायब हो जाना।

रबदा पड़ना	खूब पानी बरसना। जल वृष्टि होना। उ०- जेहि चलतै रबदे पड़ा धरी होइ विहार। सो सावज घामै जरै पंडित करो विचार। कबीर ।
रव्त छुटना	लगाव न रहना। बंदिश दुरूस्त न रहना।
रब्त छुटना	लगाव न रहना। बंदिश दुरूस्त न रहना।
रब्त डालना	अभ्यास करना।
ररां मिलना	घुलना-मिलना। एक हो जाना।
रवा भर	बहुत थोड़ा। जरा सा।
रस भीजना	आनन्द का समय आना। तरूणाई प्रकट होना। यौवन का आरम्भ या संचार होना। उ०- ह्यां इनके रस भीजत त्यों दृग ह्वां उनके मसि भीजत आवै। पद्माकर ।
रस रस	धीरे धीरे। आहिस्ते आहिस्ते। शनैः शनैः। उ०-(क) रस रस सूख सरित सर पानी। ममता ज्ञान करहिं जिमि ज्ञानी। तुलसी ।(ख) चंचलता अपनी तजिकै रस ही रस सों रस सुंदर पीजियो। परताप ।
रसना खोलना	बोलना आरम्भ करना। उ०- हीरामन रसना रस खोला। दै असीस करि अस्तुति बोला। जायसी ।
रसना तालू से लगाना	बोलना बंद करना। चुप होना। उ०- रसना तारू सों नहि लावत पीवै पीव पुकारत। सूर ।
रसातल में जाना	नष्ट होना।
रसातल में पहुंचाना	मटिया मेट कर देना। मिट्टी में मिला देना। बरबाद कर देना।
रसीद करना	(थप्पड़, मुक्का आदि) लगाना। जड़ना। मारना। प्रविष्ट करना।
रसीद काटना	रसीद लिखकर देना।
रसोई चढ़ाना	भोजन पकना। खाना बनना।

रसोई तपना	भोजन पकाना। खाना बनाना। उ०-(क) जो पुरुषारथ तै कहूं संपति मिलति रहीम। पेट लागि बैराट घर तपत रसोई भीम। रहीम। (ख) कह गिरिधर कविराय तपै वह भीम रसोई। गिरिधर।
रह चलना	प्रस्थान करने का विचार छोड़ देना। रुक जाना। ठहर जाना। उ०- रहि चलिए सुंदर रघुनायक। जो सुत तात बचन पालन रत जननिउ तात मानिबे लायक। तुलसी। पिछड़ जाना।
रह जाना	कुछ कार्यवाही न करना। सफल न होना। लाभ न उठा सकना। विफल होना। थक जाना। शिथिल हो जाना। पीछे छूट जाना। अवशिष्ट होना। खर्च या व्यवहार से बचना।
रहने देना	जिस अवस्था मे हो, उसी मे छोड़ देना। हस्तक्षेप न करना। जाने देना। कुछ ध्यान न देना।
रहा जाना	शांति या स्थिरतापूर्वक अवस्थान करने मे समर्थ होना। सन्तुष्ट होना। उ०-वृषभ उदर व्रत रहा न जाई। रघुराज।
राई काई करना	टुकड़े टुकड़े करना। छिन्न भिन्न करना।
राई काई होना	टुकड़े टुकड़े होना।
राई नोन उतारना	नजर लगे हुए बच्चे पर उतारा करके राई और नमक को आग मे डालना जिससे नजर के प्रभाव का दूर होना माना जाता है। टोना। उ०-(क) कबहुं अंग भूषण बनवावति राई लोन उतारि। सूर। (ख) यशुमति माय धाय उर लीन्हो राई लोन उतारो। सूर।
राई भर	बहुत थोड़ा।
राई रत्ती करके	बारीक से बारीक हिसाब करके।
राई से पर्वत करना	थोड़ी बात को बहुत बढ़ा चढ़ा देना। हीन को महान बनाना। उ०- अविगति गति जानी न परै। राईसे पर्वत करि डारै राइ मेरु करै। सूर।
राग लगाना	किसी बात का सिलसिला जारी करना।

रागताग बिड़ना — प्रबन्ध का बिगड़ना।

राज देना — शासनाभार देना। उ०- दीन्हे मरि असुर हरि ने तक देवन दीन्हो राज। एकन को फणुवा इंद्रासन एक पताल को साज। सूर।

राज पर बैठना — राजा का राज्याधिकार पाना। उ०-(क) जब से बैठे राज, राजा दशरथ भूमि मैं। सुख सोयो सुरराज, तादिन ते सुरलोक मैं। केशव। (ख) रामराज बैठे त्रय लोका। रामा।

राज रजना — राज्य करना। राजाओं का सुख भोगना। अत्यधिक सुख और अधिकार भोगना। सुख से रहना।

राज रजाना — बहुत सुख देना।

रात दिन — सर्वदा। सदा। हमेशा।

राम जाने — मुझे मालूम नहीं। ईश्वर जाने।

राम राम करके — बड़ी कि कठिनता से। किसी प्रकार।

राम राम करना — अभिवादन करना। प्रणाम करना। भगवान का नाम जपना।

राम राम सत्त हो जाना — मर जाना। गत हो जाना। उ०- तौ लौ रहै प्राण दशरथ जू के नीके, पाछे राम नाम लै राजा राम राम ह्वै गयो। रामकवि।

राम राम होना — भेंट होना। उ०- कैसे ह्वैहै दई मेरे आनंद की जई राम, भई राम राम आज नई राम राम सौ। रामकवि।

राम शरण होना — साधु होना। विरक्त होना। मर जाना। परलोकवासी होना। उ०- राम राम कहि राम सिय श शरण भए राउ। तुलसी।

राय कायम करना — किसी विषय में मत निश्चित करना। सम्मति स्थिर करना। निर्णय करना।

राल टपकना — किसी पदार्थ को देखकर उसे पाने की बहुत इच्छा होना मुंह में पानी भर आना।

राशि आना	अनुकूल होना।
राशि बैठना	गोद बैठना। दत्तक पुत्र होना।
राशि मिलना	दो व्यक्तियों का एक ही राशि में जन्म होना। मेल मिलना। पटरी बैठना।
रास आना	अनुकूल होना। ठीक होना।
रास कड़ी करना	घोड़े की लगाम अपनी ओर खींचे रहना।
रास बैठाना	गोद बैठाना। दत्तक लेना।
रास में लाना	अधिकार में लाना। वशीभूत करना।
रास रमाना	रास जोड़ना। रास रचना। उ०- जाकी महिमा कहत न आवै। सो गोपिन संग रास रमावै। सूर।
रास लेना	गोद बैठाना। दत्तक लेना।
रास्ता काटना	मंजिल, रास्ता तय होना।
रास्ता काटना	चलने वाले के आगे होकर एक ओर से दूसरी ओर निकल जाना।
रास्ता देखना	प्रतीक्षा करना। आसरा देखना।
रास्ता नापना	चलते बनना।
रास्ता पकड़ना	मार्ग का अवलम्बन करना। राह से चलना। चल देना। चले जाना।
रास्ता बताना	चलता करना। टालना। हटाना। सिखाना। उपाय बताना।
रास्ते का कांटा	विघ्न रूप। बाधास्वरूप।
रास्ते पर लाना	सुमार्ग पर चलाना। ठीक करना। दुरुस्त करना। उचित मार्ग पर लाना।
राह ताकना	प्रतीक्षा करना। आसरा देखना।
राह देखना	प्रतीक्षा करना।

राह पड़ना	डाका पड़ना। बाट पड़ना। उ०- कहै पद्माकर त्यौं रौगन की राह परी दु:खन मै गाह वति गाज की। पद्माकर। रास्ते से आना। रास्ते पर जाना।
राह पूछना	रास्ता मालूम करना।
राह बाट का लड़का	ऐसा लड़का जिसे किसी ने रास्ते मै पड़ा पाया हो और जिसके माता पिता का पता न हो।
राह बायन होना	राह अलग होना।
राह लगना	रास्ते से जाना। काम देखना। अपने काम से काम रखना।
राही करना	टालना। चलता करना।
राही होना	चलते बनना। चल देना। खिसक जाना।
रिज़्क़ मारना	किसी की जीविका मै बाधा डालना।
रिस मारना	क्रोध रोकना। उ०- रामै राम पुकार हनुमान अंगद कह्यौ। तब रावण रिस मारि रामचन्द्र मन मै धरे। ।हृदयराम।
रू से	अनुसार।
रूई का गाला	रूई के गाले की तरह कोमल, सफेद।
रूई की तरह तूमना	नोचना। बहुत मारना पीटना। गालियां देना। बखानना। अच्छी तरह छान-बीन करना।
रूई की तरह धुनना	खूब मारना।
रूई सा	रूई की भांति। नरम, कोमल।
रुख देना	प्रवृत्त होना। ध्यान देना।
रुख फेरना	ध्यान न देना। प्रवृत्त न होना। अकृपा करना। नाराज होना।
रुख बदलना	ध्यान न देना। प्रवृत्त न होना। अकृपा करना। नाराज होना।
रुख मिलाना	मुंह सामने करना।

रूखा पड़ना	बेमुरौवती होना। शील संकोच त्याग देना। क्रुद्ध होना। रोष प्रकट करना। नाराज होना। तीखा पड़ना। उ०- पूंछे क्यों रूखी पड़ति सग बग रही सनेह। मनमोहन छवि पर कटी कहै कट्यानी देह। बिहारी।
रूखा होना	बेमुरौवती होना। शील संकोच त्याग देना। क्रुद्ध होना। नाराज होना। रोष प्रकट करना। तीखा पड़ना। उ०- भोजन देहु भए वे भूखे। यह सुनि कै ह्वैगे रूखे। सूर।
रूच रूच	बहुत रूचि से।
रूप दिखाना	स्वाभाविक के अतिरिक्त कोई कृत्रिम वृत्ति या भाव धारण करना।
रूप भरना	भेस बनाना। वेष धारण करना। स्वांग रचना। मजाक या तमाशा खड़ा करना।
रूप भरना	लज्जित करना। उ०- दीप सम दीपति उदीपति अनूप निज रूप के सरूप रति रूपहि हरति है। व्यंग्यार्थ।
रूपया उठाना	रूपया खर्च करना।
रूपया उड़ाना	खूब धन खर्च करना। रूपया बरबाद करना।
रूपया गलना	व्यर्थ व्यय होना। फजूल खर्च होना।
रूपया जोड़ना	धन संचय करना।
रूपया ठनका लेना	रूपया वसूल करना।
रूपया ठीकरी करना	रूपये का अपव्यय करना। अनावश्यक खर्च करना।
रूपया पानी में फेंकना	व्यर्थ खर्च करना। धन बरबाद करना।
रूपये खरे होना	रूपये मिलना या मिलने का निश्चय होना।
रूमाल पर रूमाल भिगोना	अत्यधिक रोना। आंसुओं की धार बहाना।
रूस्तम का साला	बहुत बड़ा वीर। बहुत बहादुर (व्यंग्य)।
रूह कब्ज होना	होश गुम होना।

रेख आना	मूंछें निकलना शुरू होना।
रेख काढ़ना	लकीर बनाना। अंकित करना। उ०- तुन तोप्यौ गुन आत जितै गुन काढ़ति रेख नहीं। सूर। प्रतिज्ञा करना। दृढ़तापूर्वक कुछ कहना।
रेख खांचना	लकीर बनाना। रेखा अंकित करना। कोई बात जोर देकर कहना। दृढ़ता प्रकट करना। निश्चय उत्पन्न करना। प्रतिज्ञा करना। उ०-(क) पूछा गुनिन्ह, रेख तिन खांची। भरत भुवाल होहिं, यह सांची। तुलसी। (ख) रेख खंचाइ कहौं बल भाखी। भामिनि भइउ दूध कै माखी। तुलसी।
रेख खींचना	रेखा अंकित करना। कोई बात जोर देकर कहना।
रेख भीजना	मूछें निकलना आरम्भ होना।
रेख भीनना	मूछें निकलना आरम्भ होना।
रेवड़ी के फेर मैं आना	लालच मैं पड़ना।
रेशम की गांठ पड़ना	रेशम के रेशे, तार की गांठ जो बड़ी कठिनाई से खुलती है।
रेशम की गांठ पड़ना	किसी काम का बहुत मुश्किल होना।
रोंगटे खड़े होना	रोमांच होना।
रोकड़ मिलाना	आयव्यय का हिसाब लगाकर रकम के घटने बढ़ने का पता लगाना।
रोजगार चमकना	व्यवसाय मैं लाभ होना।
रोजगार चलना	कारोबार मैं लाभ होना। व्यवसाय जारी रहना।
रोजगार छूटना	जीविका न रहना।
रोजगार लगना	जीविका का प्रबन्ध होना। कोई काम देना। निर्वाह के लिए कोई मार्ग बताना।
रोजगार से होना	निर्वाह के लिए किसी काम मैं लगना।
रोज़ा इफ्तार होना	रोज़ा खोलना।

रोज़ा खोलना — दिन भर व्रत रखकर शाम को पहले पहल कुछ खाना।

रोज़ा टूटना — व्रत खंडित होना। व्रत का निर्वाह न हो पाना।

रोज़ा तोड़ना — व्रत खंडित करना। व्रत पूरा न करना।

रोजी चलना — भोजन, वस्त्र मिलता जाना।

रोजी चलाना — भोजन, वस्त्र आदि का ठिकाना करना।

रोटियों का मारा — भूखा।

रोटियां तोड़ना — किसी के घर पड़ा रहकर पेट पालना। बैठे बैठे किसी का दिया खाना।

रोटियां लगना — किसी को खाना मिलने से मोटाई झलकना। भर पेट भोजन पाने से इतराना।

रोटी कमाना — जीविका उपार्जन करना।

रोटी का पेट — रोटी का वह पार्श्व या तल जो पहले गरम तवे पर डाला जाता है।

रोटी की पीठ — रोटी का वह पहलू जो उलटकर सेंका जाता है।

रोटी को रोना — भूखों मरना।

रोटी खाना — किसी बात से जीविका कमाना।

रोटी दाल चलाना — साधारण जीवन निर्वाह करना।

रोटी पोना — रोटी पकाना।

रोड़ा अटकाना — विघ्न या बाधा डालना।

रोड़ा डालना — बाधा खड़ी करना।

रो बैठना — (किसी व्यक्ति या वस्तु के लिए) शोक करना। निराश होकर रह जाना।

रो रोकर — ज्यों त्यों करके। बहुत कठिनता से। दुःख और कष्ट के साथ। बहुत धीरे धीरे। बहुत रुक रुक कर।

रो रोकर घर भरना — बहुत विलाप करना।

रोना आना — दिल भर आना। अफसोस होना।

रोना कलपना — विलाप करना।

रोना धोना — विलाप करना।

रोना पड़ना — विलाप होना। शोक छाना। कुहराम मचना।

रोना पीटना — चिल्लाकर, छाती पीटकर रोना। बहुत विलाप करना।

रोब गांठना — आतंक जमाना। प्रभुत्व दिखाना।

रोब जमाना — बड़प्पन की दिखाना। आतंक उत्पन्न करना।

रोब दिखाना — बड़प्पन दिखाना। आतंक उत्पन्न करनेवाली चेष्टा प्रकट करना।

रोब मिट्टी में मिलना — बड़प्पन न रह जाना। प्रभाव नष्ट होना।

रोब में आना — दबदबे में पड़ जाना। भय मानना। धाक, प्रभाव मानना।

रोम रोम में — शरीर भर में। अंग अंग में।

रोम रोम से — तन मन से। शुद्ध और पूर्ण हृदय से।

रोयां खड़ा होना — रोमांच होना।

रोयां टेढ़ा न होना — कुछ न बिगड़ पाना। कोई क्षति न होना।

रोयां पसीजना — हृदय में दया उत्पन्न होना। करुणार्द्र होना। तरस आना। उ०- हँगुर भा पहार जौ मीजा। पै तुम्हार नहिं रोवं पसीजा। जायसी।

रोएं खड़े होना — किसी भयानक या क्रूर काण्ड को देखकर शरीर में रोम उत्पन्न होना। जी दहलना।

रौंद पर जाना — गश्त के लिए निकलना।